महा मृत्युंजय मंत्र

संस्कृत: **ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्।।**

English Translation: **Om Tryambakam Yajamahe Sugandhim Pushtivardhanam Urvarukamiva Bandhanan Mrityor Mukshiya Mamritat**

महामृत्युंजय मंत्र अर्थ :

- ॐ: मौलिक ध्वनि ब्रह्मांड के सार का प्रतिनिधित्व करती है।
- त्रयंबकम: त्रि-नेत्रों वाले (तीन नेत्रों वाले) देवता।
- यजामहे: हम पूजा या आराधना करते हैं।
- सुगंधिम: सुगंधित या शुभ सुगंध वाली।
- पुष्टिवर्धनम: पोषण और शक्ति का दाता।
- उर्वारुकमिव: पके हुए खीरे की तरह (जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति का प्रतीक)।
- बंधनान: बंधन या आसक्ति से।
- मृत्योर: मृत्यु या मृत्यु से।
- मुक्षिया: मुक्ति या स्वतंत्रता प्रदान करें।
- मामृतात्: अमरता से (हमें शाश्वत आनंद की स्थिति प्रदान करें)।

महामृत्युंजय मंत्र अनुवाद:

"ओम। हम तीन आंखों वाले भगवान शिव की पूजा करते हैं जो सुगंधित हैं और जो सभी प्राणियों का पोषण करते हैं। वह हमें मृत्यु से मुक्त करें, जैसे पका हुआ ककड़ी आसानी से अपनी बेल से मुक्त हो जाता